प्रेस-विज्ञप्ति

दीव समाहर्ता श्रीमती सलोनी राय के कर-कमलों से हुआ 'रेस्क्यू इंडिया-2019' खेल-प्रतियोगिताओं का शुभारंभ

दीव 21 अक्तूबर, 2019: दीव के पद्मभूषण क्रीड़ा संकूल में भारतीय राष्ट्रीय लाईफ सेविंग सोसाईटी स्पोर्ट्स के सौजन्य से रेस्क्यू इंडिया-2019 राष्ट्रीय जीवन-रक्षक स्पर्धाओं का शुभारंभ हुआ। दीव समाहर्ता श्रीमती सलोनी राय ने नारियल फोड़कर इस स्पर्धा का उद्घाटन किया। इस अवसर पर दीव के एस.पी. श्री हरेश्वर स्वामी, दीव उप-लेखा निदेशक श्री मनोज कामलिया, सहायक शिक्षा निदेशक श्री दिलावर मंसूरी, अन्य अधिकारीगण तथा विद्यालय के छात्र-छात्राएं आदि उपस्थित हुए।

राष्ट्रीय लाईफ सेविंग सोसाईटी के अध्यक्ष और सेवानिवृत्त एडमिरल श्री पी.डी. शर्मा ने बताया कि यह स्पर्धा वर्ष 2002 में आरंभ की गई थी और तबसे लेकर अबतक भारत के अलग-अलग प्रांतों में इसका सालाना आयोजन किया जाता है। इस क्रम में इस वर्ष यह स्पर्धा दीव में आयोजित की जा रही है। इन स्पर्धाओं का मूल उद्देश्य लोगों को प्राकृतिक आपदाओं जैसे कि चक्रवात, बाढ़, तूफान आदि त्रासदी से बचाने की कला और तरीके से अवगत कराना एवं उनमें जागृति पैदा करना है। कार्यक्रम के आरंभ में रेस्क्यू टीम के द्वारा मॉक-ड्रील का प्रदर्शन किया गया।

कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए दीव समाहर्ता श्रीमती सलोनी राय ने बताया कि भारत में सबसे ज्यादा मौत सड़क हादसों में होती है, और उसके बाद पानी में डूबकर मरने वालों की तादाद शामिल है। इसमें सबसे अहम बात यह है कि अन्य दुर्घटनाओं में मरने वालों की शिनाख्त तत्काल हो जाती है मगर डूबकर मरने वालों में अधिकांश का या तो पता नहीं चलता और अगर शिनाख्त होती भी है तो लंबे अंतराल के पश्चात। इन परिस्थितियों से निपटने के लिए भारतीय राष्ट्रीय लाईफ सेविंग सोसाईटी निरंतर प्रयासरत है और अब इस आपदाओं से बचने के लिए इसे खेल स्पर्धाओं के जरिये लोगों को जागृत करने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के खेलों को जीवन-रक्षक औषधी के रूप में देखना चाहिए, स्वंय भी जागरूक एवं प्रशिक्षित होना चाहिए तथा दूसरों को भी जागरूक एवं प्रशिक्षित करना चाहिए। उन्होंने इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी प्रतियोगियों को अपनी शुभकामनाएं दी और इस प्रकार के आयोजन हेतु आयोजक दल की सराहना की। उन्होंने इसे दीव के लिए गौरव का क्षण बताया क्योंकि इस प्रकार की प्रतिस्पर्धा दीव में पहली बार आयोजित की जा रही है।

प्राप्त जानकारी के मुताबिक यह स्पर्धा दीव में 21 से 24 अक्तूबर तक कुल 4 दिनों तक चलेगी। इसमें राष्ट्रीय पूल, बिच और ओशियन की स्पर्धाएं आयोजित की जाएंगी। इन खेलों के तहत 50 मीटर मनीकिन कैरी, 100मीटर मनीकिन कैरी के साथ फिन, 100 मीटर रेस्क्यू मीडले, 50 मीटर मनीकिन टो के साथ फिन, 50मीटर, 100मीटर एवं 200 मीटर बाधा तैराकी, 200 मीटर सूपर लाईफसेवर, 10 मीटर, 12 मीटर लाईन थ्रो, 4x25 मनीकिन रीले, 4x50 बाधा रीले, 4x50 मीडले रीले आदि शामिल है। ये

प्रतियोगिताएं पद्मभूषण क्रीड़ा संकूल एवं घोघला बिच पर आयोजित होंगी। इसमें महाराष्ट्र, ओड़िशा, तेलंगाना, पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश, तमिलनाडू और आंध्र प्रदेश कुल 7 राज्यों के लगभग 110 प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं। इन प्रतियोगिताओं के विजेताओं को भारतीय दल के प्रतिनिधित्व का अवसर मिलेगा जो नवम्बर-2020 में इटली में आयोजित होनेवाली अंतर्राष्ट्रीय रेस्क्यू स्पर्धा में हिस्सा लेंगे। चार दिनों तक चलने वाली इन प्रतियोगिताओं के विजेताओं को कांस्य, रजत एवं स्वर्ण पदक के साथ प्रमाण-पत्र देकर पुरस्कृत किया जाएगा। आज के अलग-अलग स्पर्धा के विजेताओं को दीव समाहर्ता श्रीमती सलोनी राय, दीव एस.पी. श्री हरेश्वर स्वामी, उप-लेखा निदेशक श्री मनोज कामलिया तथा सहायक शिक्षा निदेशक श्री दिलावर मंसूरी के कर-कमलों से पुरस्कृत किया गया।

इस अवसर पर राष्ट्रीय लाईफ सेविंग सोसाईटी के अध्यक्ष और सेवानिवृत्त एडमिरल श्री पी.डी.शर्मा एवं आयोजक दल के सदस्यों ने दीव के छात्र-छात्राओं और आम जनता से अपील की है कि अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर प्रतियोगियों का उत्साहवर्धन करें तथा प्राकृतिक आपदाओं से बचने की कला से अवगत हों।